देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित
www.page3news.in
नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 295 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार–प्रवाह...
आमदनी पर निगाहें

पेज श्री

देहरादून, गुरूवार, 6 मार्च 2025

मौसम अधिकतम 21.0° न्यूनतम 11.0°

82924.41

2 हम भी लड़ने के लिए तैयार

7 स्मिथ ने अचानक लिया संन्यास

केदारनाथ से सोनप्रयाग तक बनेगा रोपवे

केंद्र सरकार ने रोपवे योजना को दी मंजूरी, 4 हजार करोड़ होंगे खर्च

संवाददाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक हुई। इसमें केदारनाथ रोपवे परियोजना को मंजूरी दी गई। यह परियोजना 12.9 किलोमीटर लंबी होगी। इस पर करीब 4081 करोड़ रुपये का खर्च होंगे। रोपवे परियोजना की शुरुआत सोनप्रयाग से होगी और यह केदारनाथ तक जाएगी। रोपवे परियोजना को सार्वजनिक–निजी भागीदारी से विकसित किया जाएगा। उधर, हेमकुंड साहिब रोपवे प्रोजेक्ट के लिए 2730 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। यह प्रोजेक्ट 12.4 किलोमीटर लंबा होगा।

केदारनाथ रोपवे परियोजना पर सबसे आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। रोपवे को ट्राई–केबल डिटैचेबल गोंडोला (3एस)तकनीक से निर्मित किया जाएगा। हर घंटे एक तरफ कुल 1800 लोग रोपवे के माध्यम से यात्रा कर सकेंगे। वहीं पूरे दिन प्रतिदिन 18000 लोग यात्रा कर सकेंगे। खास बात यह है कि अभी तक केदारनाथ धाम तक जाने में 8 से 9 घंटे का समय लगता है। मगर रोपवे परियोजना के तैयार होने के बाद महज 36 मिनट में लोग धाम तक पहुंच सकेंगे।

रोपवे परियोजना का विकास संतुलित सामाजिक–आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, पहाड़ी क्षेत्रों में अंतिम मील तक कनेक्टिविटी बढ़ाने और तीव्र आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम है। अभी तक भक्तों को केदारनाथ मंदिर तक पहुंचने के लिए गौरीकुंड से 16 किलोमीटर तक बेहद चुनौतीपूर्ण यात्रा करनी पड़ती है। मौजूदा समय में यह दूरी पैदल, टट्टू, पालकी और हेलीकॉप्टर से तय करनी पड़ती है।

रोपवे प्रोजेक्ट से केदारनाथ धाम तक आने वाले तीर्थयात्रियों को सीधा लाभ होगा। वहीं सोनप्रयाग और केदारनाथ के बीच पूरे साल कनेक्टिविटी बनी रहेगी। केदारनाथ धाम उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में पड़ता है। यह समुद्र तल से 11968 फुट की ऊंचाई पर स्थित 12 पवित्र ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह मंदिर अक्षय तृतीया से दिवाली तक साल में लगभग 6 से 7 महीने तीर्थयात्रियों के लिए खुला रहता है। सालाना लगभग 20 लाख तीर्थयात्री यहां दर्शन को आते हैं।

रोजगार के नए अवसर खुलेंगे

रोपवे परियोजना केदारनाथ आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए वरदान साबित होगी। यह न केवल पर्यावरण अनुकूल और आरामदायक होगी बल्कि अभी तक 8–9 घंटों में पूरी होने वाली दूरी को महज 36 मिनट में तय करेगी। इस परियोजना के वजह से कई क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर खुलेंगे।

हेमकुंड साहिब रोपवे को भी मंजूरी

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कैबिनेट ने हेमकुंड साहिब रोपवे परियोजना को भी मंजूरी दे दी है। यह रोपवे 12.4 किलोमीटर लंबा होगा और इसकी लागत 2,730 करोड़ रुपये है। वैष्णव ने आगे कहा, मंत्रिमंडल ने उत्तराखंड में गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब जी तक 12.4 किलोमीटर लंबी रोपवे परियोजना के विकास को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना की कुल पूंजीगत लागत 2,730.13 करोड़ रुपये है। दोनों परियोजनाओं को बीओटी (बिल्ड, ऑपरेट, एंड ट्रांसफर) मॉडल के तहत लागू किया जाएगा। इसका मतलब है कि कोई निजी कंपनी इसे बनाएगी, चलाएगी और फिर सरकार को सौंप देगी।

दुनिया के लंबे रोपवे में से एक

केदारनाथ रोपवे दुनिया के सबसे लंबे रोपवे में से एक होगा। इसका निर्माण समुद्र तल से 3,583 मीटर की ऊंचाई पर किया जाएगा। एक बार पूरा हो जाने पर, यह तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को सोनप्रयाग से केदारनाथ तक सिर्फ 60 मिनट में पहुंचने की सुविधा देगा। अभी इस यात्रा में 6–7 घंटे का पैदल सफर लगता है। इस परियोजना में हर घंटे हर दिशा में 3,600 यात्रियों के आने–जाने की क्षमता होगी। मतलब एक घंटे में 7200 लोग सफर कर सकेंगे। इसी तरह, घांघरिया होते हुए हेमकुंड साहिब तक 12.5 किलोमीटर लंबा रोपवे यात्रा के समय को केवल 45 मिनट तक कम कर देगा। वर्तमान में, गोविंद घाट से हेमकुंड साहिब तक 19 किलोमीटर की पैदल यात्रा में लगभग 12 घंटे लगते हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमरनाथ यात्रा की तारीख का हुआ ऐलान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज नई दिल्ली। बाबा बर्फानी के भक्तों के लिए खुशखबरी है। अमरनाथ यात्रा की तारीख का ऐलान बुधवार को हो गया। जम्मू–कश्मीर के उप–राज्यपाल मनोज सिन्हा की अगुवाई में श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड की बैठक राजभवन में हुई। इस साल अमरनाथ यात्रा की शुरुआत तीन जुलाई से होगी और यह 9 अगस्त, 2025 तक चलेगी। इस बार भी अमरनाथ यात्रा दोनों रूट–पहलगाम और बालटाल से होगी।

जनमानस को चक्कर कटाने की कार्यप्रवृत्ति बदले

संवाददाता देहरादून। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले जनता दर्शन कार्यक्रम का असर प्रत्यक्ष दिखने लगा है जहां फरियादियों को न्याय मिल रहा है वही जनमानस में सरकार एवं प्रशासन पर विश्वास बढा है। डीएम की सक्रियता का प्रभाव है अब जनमानस से सम्बन्धित प्रकरणों पर अधिकारी संज्ञान लेते हुए उनका निस्तारकरण कर रहे हैं।

भारत हम पर 100 प्रतिशत ऑटो टैरिफ लगाता है: ट्रंप

अमेरिका ने 2 अप्रैल से रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने का किया ऐलान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। टैरिफ वॉर के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। उन्होंने साफतौर पर कहा कि जो देश हम पर जितना टैरिफ लगाएगा, हम उसपर उतना टैरिफ लगाएंगे। इस दौरान ट्रंप ने भारत और चीन का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि भारत हम पर 100 प्रतिशत ऑटो टैरिफ लगाता है। भारत समेत चीन मेक्सिको और कनाडा समेत कई देशों पर टैरिफ लगाएंगे। चीन दोगुना और दक्षिण कोरिया चार गुना ज्यादा टैरिफ लगाता है, जबकि हम उसे सैन्य सहायता देते हैं, लेकिन हम 2 अप्रैल से उस देश पर उतना टैरिफ लगाएंगे, जो देश हम पर जितना टैरिफ लगाता है। बता दें कि इसे रेसिप्रोकल टैरिफ कहा जाता है। टैरिफ लगाने से आयातित उत्पाद की कीमत बढ़ जाती है। इस तरह से टैरिफ घरेलू मैन्यूफैक्चरर्स की सुरक्षा करते हैं।

बता दें कि हाल ही में ट्रंप ने पीएम मोदी से मुलाकात के दौरान कहा था कि भारत को अमेरिका के पारस्परिक टैरिफ से नहीं बख्शा जाएगा और इस बात पर जोर दिया कि टैरिफ संरचना पर कोई भी मुझसे बहस नहीं कर सकता।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, हमारा मानना है कि चाहे आप डॉक्टर हों, अकाउंटेंट हों, वकील हों या एयर ट्रैफिक कंट्रोलर हों, आपको कौशल और योग्यता के आधार पर नियुक्त किया जाना चाहिए, न कि नस्ल या लिंग के आधार पर। सुप्रीम कोर्ट ने एक साहसी और बहुत शक्तिशाली निर्णय में हमें ऐसा करने की अनुमति दी है।

ट्रंप ने आगे कहा, हमने अपने पब्लिक स्कूलों से क्रिटिकल रेस थ्योरी का जहर निकाल दिया है। मैंने एक आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे यह अमेरिकी सरकार की आधिकारिक नीति बन गई है कि केवल दो लिंग हैं, पुरुष और महिला।

अमेरिका का मोमेंटम वापस आ गया हैं

बता दें कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने संबोधन की शुरुआत अमेरिका इस बैक कहकर किया। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिका मोमेंटम वापस आ गया है। हमारी रूह वापस आ गई है। हमारा गौरव वापस आ गया है। हमारा विश्वास लौटा है। अब अमेरिका के लोग अपने सभी सपनों को पूरा कर पाएंगे।

मैंने दो बार मुख्यमंत्री बनाया उन्हें भूलने की बीमारी है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पटना। बिहार की राजनीति में एक बार फिर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर बड़ा हमला किया है। तेजस्वी ने दावा किया कि उन्होंने ही दो बार नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया और उनकी पार्टी को बचाया।

तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें नीतीश कुमार ने विधानसभा में कहा था कि उन्होंने लालू यादव को मुख्यमंत्री बनाया। तेजस्वी यादव ने पलटवार कर कहा कि नीतीश कुमार जो कहते हैं, उसे भूल जाइए. .. लेकिन उन्हें याद रखना चाहिए कि मेरे पिता (लालू यादव) पहले ही दो बार विधायक और एक बार सांसद बन चुके थे, जब नीतीश कुमार राजनीति में आए भी नहीं थे।

तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर तंज कसा कि बिहार में एक थका हुआ मुख्यमंत्री है, जिसके आसपास सिर्फ रिटायर्ड अधिकारी हैं। तेजस्वी यादव के इस बयान के बाद बिहार की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

जदयू और भाजपा नेता इस बयान का जवाब देने में जुट गए हैं, वहीं राजद कार्यकर्ता तेजस्वी यादव के समर्थन में उतर आए हैं। बिहार में 2025 के विधानसभा चुनाव से पहले यह बयानबाजी राजनीतिक समीकरणों में क्या नया मोड़ ला सकती है, अब यह देखना दिलचस्प होगा।

पलटवार

■तेजस्वी यादव का नीतीश कुमार पर पलटवार

लालू जी ने तो कई प्रधानमंत्री बनाए

तेजस्वी ने आगे कहा कि नीतीश कुमार लालू यादव को मुख्यमंत्री बनाने की बात करते हैं, लेकिन उन्हें याद रखना चाहिए कि लालू जी ने कई प्रधानमंत्रियों को बनाया है। मैं ही वह व्यक्ति हूं जिसने नीतीश कुमार को दो बार मुख्यमंत्री बनाया और उनकी पार्टी को बचाया।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

उत्तराखंड में फिर टूटा ग्लेशियर

संवाददाता

धारचूला। ळसंबपमत ठतमांरू तवाघाट–लिपुलेख मोटर मार्ग पर ग्लेशियर खिसक जाने से एक लोडर मशीन बर्फ में दब गई। चालक के समय रहते मशीन छोड़ देने से बड़ा हादसा टल गया। मार्ग अभी भी कई स्थानों पर बंद पड़ा है।

मार्ग खुलने में दो से तीन दिन का समय लगने की संभावना है।

■ग्लेशियर खिसकते देख चालक ने छोड़ दी मशीन

दो रोज पूर्व उच्च हिमालय में भारी हिमपात के चलते तवाघाट–लिपुलेख मोटर मार्ग कई स्थानों पर बाधित हो गया है। मंगलवार शाम नपल्च्यू के पास एक लोडर मशीन आपरेटर सड़क से बर्फ हटाने के काम में जुटा था। इसी दौरान खांगला ग्लेशियर से एक हिस्सा टूटकर मशीन पर आ गिरा।

चालक ने ग्लेशियर खिसकते देख मशीन छोड़ दी। चालक सुरक्षित बच गया। मशीन को भी ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। बुधवार को मशीन बर्फ से बाहर निकाल ली गई। इन दिनों साक्ष्य प्राइवेट लिमिटेड कंपनी नपल्च्यू से चाइनागेट तक सड़क चौड़ीकरण और डामरीकरण का कार्य करवा रही है। भारी हिमपात के चलते काम बाधित हो रहा है।

न्यूज डायरी

हसीना के खिलाफ मानवाधिकार के खिलाफ अपराध का मुकदमा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने कहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना, उनके परिवार और सहयोगियों के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराध के लिए मुकदमा चलाया जाएगा। स्काई न्यूज को दिए गये एक इंटरव्यू में मोहम्मद यूनुस ने कहा है कि ष्मुकदमा चलाया जाएगा। न सिर्फ उन पर, बल्कि उनसे जुड़े सभी लोगों पर भी, उनके परिवार के सदस्य, उनके मुवक्किल या सहयोगी, सभी के खिलाफ मुकदमा चलाया जाएगा।ष् आपको बता दें कि पिछले साल छात्र आंदोलन के हिंसक होने के बाद शेख हसीना को फरार होकर भारत भागना पड़ा था और उसके बाद से वो भारत में ही रह रही हैं। यूनाइटेड नेशंस की एक जांच रिपोर्ट में भी शेख हसीना की सरकार पर मानवाधिकार के खिलाफ अपराध का आरोप लगाया गया था। जांच रिपोर्ट में कहा गया कि हिंसक आंदोलन के दौरान 1400 से ज्यादा लोग मारे गये थे, जिनमें शेख हसीना की पुलिस और अधिकारियों ने मानवाधिकार के खिलाफ हिंसा किया था। मोहम्मद यूनुस ने कहा है कि शेहसीना के खिलाफ दो गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए हैं। उन्होंने ये भी कहा है कि देश की अंतरिम सरकार ने उनके प्रत्यावर्तन के लिए भारत को "औपचारिक पत्र" भेजे हैं, लेकिन नई दिल्ली से "कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया" नहीं मिली है। मोहम्मद यूनुस ने इंटरव्यू के दौरान साफ कहा कि शेख हसीना को अदालती कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा चाहे वो बांग्लादेश में रहें या देश से बाहर रहें।

पाकिस्तानी सेना के लिए सिरदर्द बना तालिबान, बना रहा सैन्य चौकियां

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगान तालिबान को पाकिस्तानी सेना का जरा भी डर नहीं है। ऐसा लगता है कि उसने पाकिस्तानी सेना से दो–दो हाथ करने की ठान ही ली है। तालिबान ने पूर्वी नंगरहार प्रांत में पाकिस्तान की आपत्तियों को खारिज करते हुए बॉर्डर पोस्ट का निर्माण जारी रखा है। अमू टीवी ने सूत्रों के हवाले से ये जानकारी दी है। ये निर्माण ऐसे समय में हो रहे हैं, जब पाकिस्तानी सीमा बलों के साथ तालिबान सैनिकों की लगातार झड़पें हो रही हैं। वहीं, पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के लिए अहम तोरखम क्रॉसिंग को भी बंद कर रखा है। रिपोर्ट में बताया कि चौकियों के निर्माण को पाकिस्तान से कड़े विरोध का सामना करना पड़ा है, लेकिन तालिबान सीमावर्ती बुनियादी ढांचे का विस्तार करने और अफगानिस्तान में नई चौकियां स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पाकिस्तान इस इलाके को अपना बताता है, लेकिन तालिबान उसके दावे को खारिज करता है। यही नहीं, तालिबान काल्पनिक डूरंड लाइन को सीमा मानने से भी इनकार करता है। तालिबान अधिकारी चौकियां स्थापित करने को सीमा को मजबूत करने और क्षेत्रीय नियंत्रण को बढ़ाने के प्रयास के रूप में देख रहे हैं। इन चौकियों के निर्माण पर पाकिस्तानी अधिकारियों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है, जिससे दोनों पक्षों के बीच पहले से तनावपूर्ण संबंध और बिगड़ गए हैं। अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान के काबिज होने के बाद काबुल और इस्लामाबाद के संबंधों में तेजी से गिरावट आई है।

ट्रंप ने तालिबान के बगराम एयरबेस पर गड़ाई नजर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि अमेरिकी सेनाएं अफगानिस्तान के बगराम एयरबेस पर अपनी वापसी चाहती हैं। ट्रंप ने दावा किया कि अब चीन बगराम एयरबेस पर अपना कंट्रोल रखता है। ट्रंप ने इससे पहले कहा था कि बगराम एयरबेस पर उनका इरादा बगराम एयरबेस पर फिर से अमेरिकी सेना को तैनात करने का है। उन्होंने कहा, हम बगराम एयरबेस पर एक छोटी सी सेना रखने जा रहे हैं ताकि चीन के बढ़ते प्रभाव को कम किया जा सके। ट्रंप ने कहा कि हम बगराम एयरबेस को हमारी वजह से नहीं बल्कि चीन के कारण फिर से लेना चाहते हैं। वहीं तालिबान ने ट्रंप के चीन के कब्जे के दावे को खारिज किया है। रिपोर्ट के मुताबिक अफगानिस्तान के बगराम एयरबेस की चीन के परमाणु ठिकाने से मात्र 1 घंटे की दूरी है और इसी वजह से यह बेस अमेरिका के लिए रणनीतिक लिहाज से बेहद अहम है। अमेरिका यहां से चीन पर निगरानी कर सकता है।

अमेरिका युद्ध चाहता है तो हम भी लड़ने के लिए तैयार

रिपोर्ट

टैरिफ वॉर के बीच चीन ने ट्रंप को दी खुली धमकी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। दुनिया तो तीसरे विश्व युद्ध बचाने का दावा करने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ वॉर का एलान कर दिया है। पूरी दुनिया अमेरिका के व्यापार युद्ध की चपेट में आ गई है। भारत भी इस युद्ध से बच नहीं पाया। ट्रंप ने जहां कनाडा और मेक्सिको पर 25 फीसदी आयात शुल्क लगाया, वहीं चीन के सामानों पर यह 20 फीसदी है।

ट्रंप के इस फैसला को तीनों देशों ने करारा जवाब दिया है। कनाडा ने अमेरिका के सामानों पर 25 फीसदी और चीन ने भी अमेरिकी सामानों पर 10 और 15 फीसदी टैरिफ लगाने का एलान कर दिया है। चीन ने तो यहां तक कह दिया है कि यदि अमेरिका युद्ध चाहता है तो हम अंत तक युद्ध लड़ने के लिए तैयार हैं। चाहे वह टैरिफ युद्ध हो, व्यापार युद्ध हो या किसी अन्य प्रकार का युद्ध हो।

चीन ने कहा, ष्अमेरिका में फेंटानाइल के लिए कोई और नहीं, बल्कि खुद अमेरिका जिम्मेदार है। मानवीय भावना और अमेरिकी जनता के प्रति सद्भावना के तहत हमने इस मुद्दे से निपटने में अमेरिका की सहायता के लिए ठोस कदम उठाए हैं, लेकिन हमारे प्रयासों को स्वीकार करने के बजाय अमेरिका ने चीन को बदनाम करने और दोषारोपण करने की कोशिश की है।'

चीन ने आगे कहा कि अब टैरिफ बढ़ाकर अमेरिक हम पर दबाव डालने और ब्लैकमेल करने की कोशिश की जा रही है। चीन ने कहा कि अमेरिका ने हमारी मदद के बदले हमें दंड दिया। यह अमेरिका की समस्या का समाधान नहीं करेगा। ड्रैगन ने कहा कि वह धमकियों से नहीं डरता है। शी जिनपिंग की सरकार ने कहा, 'दबाव और धौंस हम पर काम नहीं करती है।

बता दें कि ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि भारत हम पर 100 प्रतिशत ऑटो टैरिफ लगाता है। भारत समेत चीन मेक्सिको और कनाडा समेत कई देशों पर टैरिफ लगाएंगे। चीन दोगुना और दक्षिण कोरिया चार गुना ज्यादा टैरिफ लगाता है, जबकि हम उसे सैन्य सहायता देते हैं, लेकिन हम 2 अप्रैल से उस देश पर उतना टैरिफ लगाएंगे, जो देश हम पर जितना टैरिफ लगाता है। बता दें कि इसे रेसिप्रोकल टैरिफ कहा जाता है।

चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग के सामने पेश किए गए ड्राफ्ट बजट में इस साल चीन का रक्षा बजट 1.7 खरब युआन (249 अरब डॉलर) तय किया है। चीन अपनी सेना की ताकत बढ़ाने और अपने सैन्य हथियारों को एडवांस बनाने के लिए काफी पैसे खर्च कर रहा है। चीन की ओर से मंगलवार को कहा गया था कि शांति और संप्रभुता के लिए ताकत जरूरी है। अमेरिका को हर मोर्चे पर चीन चुनौती देना चाहता है। बता दें कि भारत के मुकाबले चीन का सैन्य बजट तीन गुना है।

महाकुंभ से लौटे पाकिस्तानी हिंदू भारत में मिले प्यार से गदगद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज इस्लामाबाद। भारत के प्रयागराज शहर में दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक मेले महाकुंभ के आयोजन को लेकर पाकिस्तानी हिंदू भी खुश नजर आ रहे हैं। महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान के कई हिंदू भी प्रयागराज पहुंचे थे, जो अब लौटकर अपने देश पहुंच चुके हैं। पाकिस्तान पहुंचे ये श्रद्धालु अब वहां सफल आयोजन के लिए भारत सरकार के साथ ही यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भी तारीफ कर रहे हैं। 144 साल बाद बने इस संयोग के दौरान महाकुंभ स्नान कर वापस पहुंचे हिंदुओं ने इस यात्रा को अपने लिए सौभाग्य की बात बताया है।

प्रयागराज में स्नान के बारे में अपने अनुभव के बारे में बताते हुए कहा पाकिस्तान के एक धर्मगुरु ने कहा कि वे महाकुंभ के लिए जाते समय वह अपने साथ पाकिस्तान से 400 मृतात्माओं की शांति के लिए उनकी अस्थियां विसर्जन के लिए ले गए थे। इसमें 50 अस्थियां सिख समाज की और बाकी हिंदुओं की थीं। उन्होंने बताया कि भारत में रहने के दौरान उन्हें वहां के लोगों से खूब प्यार मिला। पाकिस्तानी हिंदू धर्मगुरु ने महाकुंभ के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भी तारीफ और कहा कि वहां पर लोगों का खूब ख्याल रखा गया।

संसद में डोनाल्ड ट्रंप की हुंकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार (भारतीय समयानुसार) को अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। इस दौरान ट्रंप ने आव्रजन, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा पर तेज और निरंतर कार्रवाई का श्रेय लिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ३अमेरिका का सुनहरा दौर लौट चुका है। अमेरिका की रफ्तार लौट आई है। अमेरिका का सम्मान और विश्वास लौट आया है। हमारा आत्मविश्वास वापस आ गया है। हमने 43 दिन में वह सब कर के दिखाया है, जो बाकी सरकारें 43 साल में नहीं कर पाईं। यह तो बस शुरुआत है। अमेरिका फिर से महान बनने लगा है। दो दिन पहले मैंने अंग्रेजी को अमेरिका की आधिकारिक भाषा बनाने के आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने आगे कहा, अमेरिका को मुझ पर भरोसा है, बाइडन अब तक के सबसे खराब राष्ट्रपति हैं,बाइडन के कार्यकाल में घुसपैठ बढ़ा था।

शुरू हुआ ट्रेड वॉर, हम लड़ाई से पीछे नहीं हटेंगेः जस्टिन ट्रूडो

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कनाडा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कनाडा के आयात पर अमेरिका के व्यापक टैरिफ के खिलाफ लड़ने की कसम खाई है। उन्होंने इसे ट्रेड वॉर कहा है जो सबसे पहले और सबसे ज्यादा अमेरिकी परिवारों को नुकसान पहुंचाएगा।

ट्रूडो ने जोर देकर कहा कि कनाडाई अपनी जगह सही है, लेकिन वे लड़ाई से पीछे नहीं हटेंगे, खासकर जब देश की भलाई दांव पर हो। उन्होंने कहा, पहले फेस में अमेरिका से आने वाले 30 अरब कनाडाई डॉलर के सामान पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। इसमें कार, स्टील, और एल्युमीनियम जैसे प्रमुख उत्पाद शामिल हैं। पार्लियामेंट हिल से बोलते

■कनाडा ने अमेरिका पर लगाया तगड़ा टैरिफ

हुए ट्रूडो ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि टैरिफ लगाना ३बहुत मूर्खतापूर्ण काम है।

ट्रूडो ने व्लादिमीर पुतिन के साथ काम करने के तर्क पर भी सवाल उठाया, जिन्हें ट्रूडो ने ३हत्यारा और तानाशाह कहा था, जबकि कनाडा, जो एक करीबी सहयोगी और साझेदार है, पर टैरिफ लगाया जा रहा है। ट्रूडो ने कहा, आज संयुक्त राज्य अमेरिका ने कनाडा के खिलाफ व्यापार युद्ध शुरू कर दिया है। यह उसका सबसे करीबी साझेदार और सहयोगी, उसका सबसे करीबी दोस्त है।

ट्रूडो ने अमेरिकी जनता को संबोधित करते हुए चेतावनी दी कि टैरिफ से मुद्रास्फीति बढ़ेगी और अमेरिकी नौकरियों को नुकसान पहुंचेगा, खासकर उन कार्यस्थलों पर जो कनाडा से सामग्री या उपभोक्ताओं पर निर्भर हैं। उन्होंने ट्रंप से पुनर्विचार करने का आग्रह करते हुए कहा कि दोनों देशों को उत्तरी अमेरिकियों के लिए समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

ट्रूडो ने कहा, उन्होंने अपने एजेंडे को विफल करने का विकल्प चुना है। आज इन टैरिफ का कोई औचित्य या आवश्यकता नहीं है। उन्होंने फेंटेनाइल मुद्दे पर बात की और इस बात पर जोर दिया कि ट्रंप का यह दावा कि कनाडा इससे लड़ने के लिए तैयार नहीं है, पूरी तरह से झूठ है।

पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान आतंकी हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन के बीच मिलिट्री छावनी पर हुए भीषण हमले ने पाकिस्तानी सेना और शहबाज सरकार को हिलाकर रख दिया है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्थित बन्नू छावनी पर हुए इस हमले में कम के कम 15 लोग मारे गए हैं, जबकि लगभग 30 लोग घायल हुए हैं। वहीं, पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारियों ने छह आतंकवादियों के मारे जाने का दावा किया है। खुरासान डायरी की रिपोर्ट के अनुसार, बन्नू छावनी पर तीन तरफ से हमला किया गया। रात विस्फोटकों से भरे वाहनों के साथ दो आत्मघाती हमलावरों ने खुद को छावनी के मुख्य चेक पॉइंट पर उड़ा लिया, जबकि एक अन्य आत्मघाती हमलावर ने दूसरे गेट पर विस्फोट किया। इसके बाद अन्य हमलावरों ने धावा बोल दिया।

Page Three
Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

जनता को कम से कम समय में उपलब्ध कराई जाए जानकारीः सीडीओ

कार्यशाला

सभी लोक सूचना अधिकारी अपने अधिकार को जानें तथा जन शिकायतों का करें शीघ्र निस्तारण

सूचना अधिकार अधिनियम–2005 पर कार्यशाला आयोजित

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती की अध्यक्षता में विकास भवन के सभागार में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य सूचना अधिकार अधिनियम–2005 के प्रति अधिकारियों और कर्मचारियों में जागरूकता बढ़ाना एवं पारदर्शिता के साथ सूचना उपलब्ध कराने से संबंधित विषयों पर चर्चा करना था। यह कार्यशाला डॉ. आर. एस. टोलिया उत्तराखंड प्रशासनिक अकादमी, नैनीताल के तत्वावधान में आयोजित की गई थी।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती ने उपस्थित लोक सूचना अधिकारियों एवं विभागीय अपीलीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सूचना अधिकार अधिनियम–2005 के तहत प्राप्त आवेदनों का पारदर्शिता एवं समय–सीमा के अंतर्गत निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि उपस्थित अधिकारी अधिनियम की बारीकियों को भली–भांति समझें, ताकि आवेदकों को कम समय में सही जानकारी उपलब्ध कराई जा सके एवं उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उन्होंने बताया कि यह अधिनियम प्रदेश में 12 अक्टूबर, 2005 को लागू किया गया, जिसमें कुल 31 सेक्शन एवं 13 नियम शामिल है। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि सहायक लोक सूचना अधिकारी को पांच दिन के भीतर संबंधित सूचना लोक सूचना अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करनी होगी, और लोक सूचना अधिकारी को अधिकतम एक माह के भीतर सूचना प्रदान करना अनिवार्य है। उन्होंने अतिरिक्त शुल्क जमा करने, तीसरे पक्ष से संबंधित सूचना प्रदान करने, व्यक्तिगत सूचनाओं से संबंधित प्रावधानों और 48 घंटे के भीतर सूचना उपलब्ध कराने जैसे विभिन्न पहलुओं पर भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी लोक सूचना अधिकारी प्रत्येक छह माह में अपने विभागीय सूचना रजिस्टर को अद्यतन करते रहें, साथ ही अपने अधिकारों को जानते हुए जन शिकायतों का शीघ्र निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी अनीता पंवार, परियोजना निदेशक विमल कुमार, मुख्य कृषि अधिकारी लोकेंद्र सिंह बिष्ट सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

उत्तराखंड आंदोलन के इतिहास का पाठ्यक्रम लागू करना एक साहसिक कदम

संवाददाता चमोली। गोविन्दघाट से हेमकुण्ड साहिब और फूलों की घाटी को जोड़ने वाला पुल चटटान टूटने के कारण क्षतिग्रस्त हो गया। जिससे हेमकुण्ड साहिब व फूलों की घाटी के साथ साथ पुलना, भ्यूडार के ग्रामीणों का संपर्क मुख्य मार्ग से पूरी तरह कट गया है। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बताया लोक निर्माण विभाग द्वारा ग्रामीणों की आवाजाही के लिए अस्थायी पुल का निर्माण प्रारम्भ कर दिया है। वहीं लोनिवि ने सामान्य आवाजाही के लिए 110 मीटर स्पान के वैली ब्रिज की आवश्यकता बतायी है। जिसका प्रस्ताव बनाने के निर्देश दे दिए गए हैं। जानकारी के अनुसार दुर्घटना में चट्टान के नीचे दबने से एक व्यक्ति जोगिन्दर शर्मा उम्र 34 वर्ष पुत्र पारस शर्मा, सुदामा नगर जिला बेतिया बिहार की मृत्यु की पुष्टि हुई है। मृतक का पंचनामा व पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है। मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गयी है।

दूर–दराज के इलाकों में महिलाएं कौशल क्रांति में दे रही हैं योगदान

संवाददाता देहरादून। भारत के दूर–दराज के इलाकों में मूक क्रान्ति आ रही है, आज महानगरों के दायरे से बढ़कर छोटे शहरों में भी कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। कई राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, जम्मू–कश्मीर और राजस्थान में निरंतर बदलाव आ रहे हैं, जहां महिलाएं सामाजिक बाधाओं का सामना करने के लिए कौशल का लाभ उठा रही हैं। इस दृष्टि से स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच) एक महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म के रूप में उभरा है, जो देश भर में यह बदलाव लाने में मदद कर रहा है।

अमृतांजन के मासिक धर्म स्वच्छता ब्रांड कॉम्फी ने किया 100 करोड़ का आंकड़ा पार

संवाददाता देहरादून। दर्द प्रबंधन के क्षेत्र में अग्रणी, अमृतांजन हेल्थकेयर ने महिला स्वच्छता से जुड़े बेहतर और किफायती उत्पादों की आवश्यकता को देखते हुए हुए 2011 में कॉम्फी ब्रांड लॉन्च किया था। आज, कॉम्फी 100 करोड़ रुपये का ब्रांड बन गया है, जो सैनिटरी नैपकिन, टैम्पोन, मासिक धर्म कप और पीरियड पेन रोल–ऑन सहित मासिक धर्म से जुड़े समाधानों की पूरी श्रृंखला के साथ लाखों महिलाओं को सशक्त बना रहा है, वह भी बेहद किफायती कीमत पर। भारत में मासिक धर्म का अनुभव करने वाली महिलाओं की संख्या 35.5 करोड़ है और फिलहाल उनमें से केवल 36 प्रतिशत महिलाएं ही सैनिटरी नैपकिन का उपयोग कर पाती हैं। मुख्य तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं और लड़कियों के पास अक्सर मासिक धर्म की देखभाल से जुड़े अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध नहीं होते हैं।

8 मार्च को आयोजित की जाएगी राष्ट्रीय लोक अदालत

संवाददाता रुद्रप्रयाग। जिला न्यायालय परिसर रुद्रप्रयाग एवं बाह्य न्यायालय परिसर ऊखीमठ में आगामी 8 मार्च (शनिवार) को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर आपसी सुलह–समझौते के आधार पर मामलों का निस्तारण किया जाएगा।

उक्त आशय की जानकारी देते हुए सचिवधसिविल जज (सी.डि.) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री रवि रंजन द्वारा बताया गया कि मा.उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, मा. उच्च न्यायालय परिसर, नैनीताल के निर्देशानुसार एवं मा. जनपद न्यायाधीश/ अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रुद्रप्रयाग के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक शमनीय वाद, 138 एनआईएक्ट बैंक रिकवरी वाद,

सुलह–समझौते के आधार पर होगा मामलों का निस्तारण

मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, वैवाहिक वाद, श्रम विवाद वाद, भूमि अधिग्रहण वाद, बिजली एवं पानी से संबधित वाद (अशमनीय वादों को छोड़कर), वेतन भत्ते एवं अन्य सेवानिवृत्ति से संबंधित सेवा लाभ, धन वसूली से संबंधित वाद, राजस्व वाद, अन्य दीवानी वाद (किराया, सुखाधिकार, निशेधाज्ञा वाद, विनिर्दिश्ट अनुतोश आदि) इत्यादि विचाराधीन वाद एवं प्री–लिटिगेशन मामलों का निस्तारण पक्षकारों का आपसी सुलह–समझौते के आधार पर किया जाएगा।

उन्होंने क्षेत्रीय जनता से उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी सुलह–समझौते के आधार पर मामलों का निस्तारण कराकर लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

अपर जिला मजिस्ट्रेट ने ईवीएम वेयर हाउस का किया त्रैमासिक निरीक्षण

संवाददाता चमोली। अपर जिला मजिस्ट्रेट/उप जिला निर्वाचन अधिकारी विवेक प्रकाश ने बुधवार को राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों की मौजूदगी में ईवीएम वेयर हाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ईवीएम व वीवीपैट मशीनें डबल लॉक में सुरक्षित पाई गई। अपर जिला मजिस्ट्रेट ने वेयर हाउस में विद्युत व्यवस्था, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, साफ सफाई और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा भी लिया। निरीक्षण के दौरान सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी डीसी सती, कांग्रेस पार्टी के मदन लोहानी, आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष अनूप सिंह रावत आदि मौजूद थे।

मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान शुरू

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के मद्देनजर मतदाता सूची को त्रुटिहीन, शुद्ध और परिपूर्ण तैयारी सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। आगामी 01 मार्च से 15 मार्च 2025 तक जनपद में मतदाता सूची सुधार हेतु विशेष अभियान चलाया जाएगा। आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार जिला निर्वाचन अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी तथा खंड विकास अधिकारी को विस्तृत कार्ययोजना के साथ ही मतदाता सूची की जांच और सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्य विकास अधिकारी जीएस खाती ने बताया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत की मतदाता सूची को रैंडम चेक करते हुए

ग्राम पंचायत स्तर पर उपलब्ध रहेगी मतदाता सूची

अभिलेखों से मिलान किया जाएगा, ताकि कोई नाम छूटने न पाए। उन्होंने बताया कि पूर्व और वर्तमान जनप्रतिनिधि, अधिकारी, जो ग्राम पंचायत क्षेत्र में सामान्यतः निवासी हों और अर्हता पूरी करते हैं, उनके नाम सूची में शामिल हैं या नहीं, यह सुनिश्चित किया जाएगा। इसके साथ ही प्रशासकों द्वारा ग्राम पंचायतों में बैठकें आयोजित कर मतदाता सूची को सार्वजनिक किया जाएगा। इच्छुक व्यक्तियों को निःशुल्क आवेदन फॉर्म (प्रपत्र 2, 3 एवं 4) उपलब्ध कराया जाएगा। भरे हुए फॉर्म को संगणक द्वारा अगले दिन संबंधित अधिकारी को सौंपा जाएगा, और तीन दिन के भीतर निस्तारण कर सूची में आवश्यक संशोधन किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि आयोग एवं जनपद की वेबसाइट पर अद्यतन मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। इस विशेष अभियान की जानकारी ग्राम पंचायत स्तर तक पहुँचाने के लिए पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाएगा।

वर्ष–2019 के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में जनपद में कुल एक लाख, चौरानबे हजार, छह सौ तिरानवे मतदाता पंजीकृत थे। इनमें से 90131 अगस्त्यमुनि विकास खंड में, 70882 जखोली विकासखंड में तथा 33680 विकास खंड ऊखीमठ में पंजीकृत मतदाता थे।

प्रोजेक्ट एचएकेके (हवाई अनुभव कल्याण केंद्र) लॉन्च

संवाददाता देहरादून। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने आज भारतीय वायु सेना के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जो सहायक वायु सेना प्रमुख – लेखा और वायु सेना के वेटरन्स और सीएससी अकादमी के कार्यालय के माध्यम से कार्य करता है। इस दिन प्रोजेक्ट एचएकेके (हवाई अनुभव कल्याण केंद्र) – सेवा करने वालों की सेवा करना शुरू किया गया। प्रोजेक्ट एचएकेके को रक्षा पेंशनभोगियों, दिग्गजों और उनके परिवारों को सहायता और सेवाएं प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। शुरुआत में, वायु सेना इकाइयों में 25 केंद्र प्रस्तावित किए गए हैं, जिनमें नई दिल्ली, बेंगलुरु, गुड़गांव, पुणे, सिकंदराबाद, गुवाहाटी, जोधपुर और चंडीगढ़ शामिल हैं। एचडीएफसी बैंक अपने परिवर्तन कार्यक्रम के तहत रक्षा सेवा के वेटरन्स और उनके परिजनों के लिए आर्थिक समावेशन का निर्माण करेगा।

उत्तराखण्ड शासन | देवभूमि रजत उत्सव

देवभूमि उत्तराखण्ड में शीतकालीन तीर्थाटन एवं पर्यटन

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

मुखीमठ, मुखवा माँ गंगा का शीतकालीन प्रवास स्थान है। शीतकाल के दौरान गंगोत्री मन्दिर के कपाट बंद होने पर माँ गंगा की मूर्ति को गंगोत्री से मुखवा लाया जाता है और शीतकाल के दौरान इसी मन्दिर में माँ गंगा की पूजा की जाती है।

माँ गंगा के शीतकालीन प्रवास

गंगा मंदिर

मुखवा, हर्षिल, उत्तरकाशी, उत्तराखण्ड

आगमन पर

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी

का

हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन

बृहस्पतिवार, दिनांक 06 मार्च, 2025 | प्रातः 09.00 बजे

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा

माँ गंगा मन्दिर में दर्शन एवं पूजा।

उत्तराखण्ड शीतकालीन पर्यटन प्रदर्शनी का अवलोकन।

रैलियों और पदयात्राओं को हरी झंडी दिखाकर रवानगी।

हर्षिल में सार्वजनिक समारोह।

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी न्यूज पर

उत्तराखण्डः एक अद्वितीय, रोमांचक और प्राकृतिक गंतव्य

- उत्तराखण्ड के पर्वत, कलकल बहती नदियां और मन को शान्ति पहुंचाने वाले मंदिरों से तीर्थयात्रियों व पर्यटकों को मिलता है प्राकृतिक एवं आध्यात्मिक शान्ति का अहसास।
- सर्दियों के महीने में शांत पहाड़ों के बीच ध्यान, योग और आत्म-चिंतन की अनुभूति से जीवन को मिलता है नया अनुभव।
- औली, नैनीताल और मसूरी जैसे लोकप्रिय डेस्टिनेशन में स्कीइंग, पैराग्लाइडिंग, स्नोबोर्डिंग और स्नो ट्रैकिंग की सुविधा पर्यटकों के लिए रोमांचकारी।
- राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभ्यारण्य के लिए विश्व प्रसिद्ध है देवभूमि उत्तराखण्ड।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

www.uttarainformation.gov.in | uttarakhandDIPR | DIPR_UK | uttarakhand DIPR

#ExploreUttarakhand @DIPR_UK

सफलता की राह में रोकने वाले हजारों लोग मिल जाएंगे परंतु खुद को हमेशा आगे बढ़ते रहना चाहिए। –अज्ञात

आमदनी पर निगाहें

ट्रंप का जोर भी इस नई योजना से अमेरिका को होने वाली आमदनी पर ही ज्यादा दिख रहा है। हालांकि कई अन्य देश इस तरह की सुविधा पहले से दुनिया भर के अमीरों को मुहैया कराते हैं, लेकिन वे छोटे–छोटे देश हैं। अमेरिका जैसे देश का ऐसी योजना लेकर आना बड़ी घटना होगी।

राधा यादव।।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वीजा–सिटिजनशिप पॉलिसी पर एक और बड़ी घोषणा करके फिर सबको चौंका दिया है। गोल्ड कार्ड के जरिए अमीर विदेशियों को अमेरिका में स्थायी निवास की सुविधा और नागरिकता की राह मुहैया कराने का उनका ऐलान दुनिया भर में तीखी बहस की वजह बन गया है।

अमल में आ जाए तो यह स्कीम अमीर विदेशियों को अमेरिकी नागरिकता मुहैया कराने का सबसे आसान उपाय साबित हो सकती है। जिस म्ठ–5 कार्यक्रम का विकल्प इसे बताया जा रहा है, उसमें भी अमेरिकी बिजनेस में निवेश या कम से कम 10 अमेरिकियों को रोजगार उपलब्ध कराने जैसी शर्तें जुड़ी हैं। मगर इस नई योजना में तो 50 लाख डॉलर (करीब 44 करोड़ रुपये) का भुगतान करने भर से गोल्ड कार्ड मिल जाने की बात है।

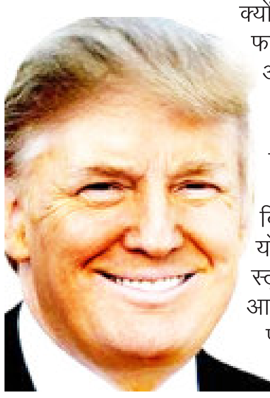

ट्रंप का जोर भी इस नई योजना से अमेरिका को होने वाली आमदनी पर ही ज्यादा दिख रहा है। हालांकि कई अन्य देश इस तरह की सुविधा पहले से दुनिया भर के अमीरों को मुहैया कराते हैं, लेकिन वे छोटे–छोटे देश हैं। अमेरिका जैसे देश का ऐसी योजना लेकर आना बड़ी घटना होगी। स्वाभाविक ही, इससे सुरक्षा जैसे सवाल भी जुड़ते हैं क्योंकि ऐसी सुविधाओं का फायदा उठाने वालों में अपराधी तत्व भी होते हैं, जो अपने देश के कानून से बचने के लिए ऐसा करते हैं।

भले ट्रंप कह रहे हों कि कंपनियां इस योजना के जरिए टैलंटेड स्टूडेंट्स को ज्यादा आसानी से हायर कर पाएंगी, लेकिन यह साफ है कि नई पॉलिसी का जोर टैलंट से ज्यादा पैसों पर है। ऐसे में इस पॉलिसी का नुकसान उन लोगों को हो सकता है जो टैलंट की बदौलत अमेरिका में काम कर रहे हैं और बरसों से ग्रीनकार्ड के इंतजार में हैं। इनमें भारतीयों की अच्छी–खासी संख्या है।

अभी इस घोषणा के साथ कई तरह के किंतु–परंतु जुड़े हैं। अमेरिका में इमिग्रेशन पॉलिसी में किसी भी बड़े बदलाव को कांग्रेस की मुहर चाहिए होती है। यह आशंका भी है कि कहीं इसकी गत ट्रंप की नागरिकता संबंधी घोषणा जैसी न हो, जिस पर अदालत ने रोक लगा दी है। इन सबके बावजूद, अमेरिकी राष्ट्रपति की इस घोषणा से यह सवाल ज्यादा स्पष्ट रूप में सामने आया है कि क्या सचमुच पैसा श्स्वर्गश में बिना शर्त एंट्री दिला सकता है।

पुण्य

अशोक वोहरा। 'शताश्व मेघेन कृतेन पुप्यंगोकोटिमिरू, स्वर्ण सहस्रप्रदाना।' 'नृणां भेवत् जलमग्नदर्शन मेनरू यत्सर्वतीर्थ पु कृतामिषकात' अर्थात जो पुण्य 100 अश्वमेघ यज्ञ करने से, करोड़ों गोदान करने से, 1000 तोले के स्वर्ण दान करने से, तथा सभी तीर्थो के दर्शन सम्पन्न करने से प्राप्त होता है वह पुण्य जलमग्न शिवलिंग के दर्शन मात्र से सहज में ही प्राप्त हो जाता है। घर पर स्थापना की लीला ही अलग है। इसी प्रकार पारद शिवलिंग का महत्व है। 'केदार दीनी लिंगनि, पृथित्यां यानि थानिचि।' 'तानि दृष्टंवासु यत्पुण्यतत्पुण्यं रसदर्शनात अर्थात हिमालय में केदारनाथ आदि पवित्र तीर्थ स्थलों से लेकर पृथ्वी तल पर स्थित समस्त शिवलिंग तथा सम्पूर्ण भारत वर्ष में द्वादश ज्योतिर्लिंग के दर्शन से जो पुण्य मिलता है।

संपादकीय

समानता की गारंटी

उत्तराखंड यूसीसी के तहत लिव–इन पार्टनरशिप का पंजीकरण होना आवश्यक है। यह उत्तराखंड के निवासियों और भारत के बाहर रहने वाले लोगों दोनों पर लागू है। जो जोड़े एक साथ रहने का निर्णय लेते हैं, उन्हें अपने रिश्ते को यूसीसी के तहत शुरू और अंत में पंजीकृत कराना होगा। यदि वे औपचारिक रूप से अपने रिश्ते को स्थापित करना चाहते हैं, तो विवाह के लिए युगल की पात्रता की पुष्टि करने वाला धार्मिक नेता से प्राप्त प्रमाण पत्र, आधार से जुड़ा ओटीपी, तथा पंजीकरण शुल्क, सहायक दस्तावेजों के साथ आ सकते हैं। यूसीसी अधिनियम के तहत 74 प्रकार के सम्बंधों पर प्रतिबन्ध है, जिनमें से 37 पुरुषों के लिए तथा 37 महिलाओं के लिए हैं। धार्मिक नेताओं या सामुदायिक नेताओं को उन जोड़ों को अपनी स्वीकृति देनी चाहिए जो निषिद्ध सम्बंधों की इन श्रेणियों में आते हैं। यदि रजिस्ट्रार यह निर्धारित करते हैं कि सम्बंध सार्वजनिक नैतिकता या रीति–रिवाजों का उल्लंघन करता है तो वे पंजीकरण से इनकार कर सकते हैं। यद्यपि उत्तराखंड यूसीसी लिव–इन पार्टनरशिप को कानूनी संरक्षण और मान्यता प्रदान करना चाहता है, लेकिन यह गोपनीयता और सरकारी हस्तक्षेप के महत्त्वपूर्ण मुद्दे भी उठाता है। नए नियमों को इस तरह लागू करने के लिए कि सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा मिले और व्यक्तिगत अधिकारों की रक्षा हो, रिश्तों को नियंत्रित करने और व्यक्तिगत स्वायत्तता को बनाए रखने के बीच संतुलन बनाना आवश्यक होगा। यदि समान नागरिक संहिता व्यक्तिगत कानूनों का स्थान ले ले, तो सहवास में महिलाओं की समानता की गारंटी पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

भारतीय युवाओं की जीवन शैली में तेजी से बदलाव आ रहा है। इसके लिए ये आधुनिक संस्कृति को अपनाने में कोई भी झिझक महसूस नहीं करते और लिव इन रिलेशनशिप आधुनिक संस्कृति की ही एक शैली है।

पैरोल का उपयोग

डॉ. सत्यवान सौरभ।।

लिव–इन रिलेशनशिप के मुश्किल से 10 प्रतिशत मामले ही शादी तक पहुँच पाते हैं। बाकी 90 प्रतिशत मामलों में रिश्ते टूट ही जाते हैं। ठीक उसी तरह, जिस तरह आजकल के नवयुवक प्रेमी–प्रेमिकाएँ जितनी तेजी से प्रोपोज करते हैं उतनी ही तेजी से ब्रेकअप और फिर उतनी ही तेजी से प्रेमी भी बदल लेते हैं। ऐसे प्रेमी–प्रेमिकाओं को लिव–इन रिलेशनशिप जैसी लुभावनी प्रथा सही लगती है। क्योंकि उन्हें एक दूसरे के साथ बिना शादी के पति–पत्नी जैसा रहने का मौका मिल जाता है और पति–पत्नी जैसे रिश्ते का अर्थ आप अच्छी तरह समझते हैं। इसीलिए रिश्ता टूटने के बाद सबसे ज्यादा जीवन बर्बाद लड़कियों का होता है। विशेषकर विवाह के समान भरण–पोषण और उत्तराधिकार के अधिकार प्रदान करना। सहवास में जन्मे बच्चों की कानूनी स्थिति को स्पष्ट करना, विशेष रूप से वैधता और उत्तराधिकार अधिकारों के सम्बंध में। रिश्ता टूटने के बाद अक्सर लड़कियाँ आत्महत्या जैसे कदम उठा लिया करती हैं।

वैश्वीकरण के प्रभाव और पश्चिमी संस्कृति के संपर्क में आने के कारण अब लिव–इन रिलेशनशिप को अधिक स्वीकार्य माना जाने लगा है। यह सहवास के नैतिक परिणामों तथा विवाह और परिवार के पारंपरिक विचारों पर

प्रश्न उठाता है। भारतीय युवाओं की जीवन शैली में तेजी से बदलाव आ रहा है। इसके लिए ये आधुनिक संस्कृति को अपनाने में कोई भी झिझक महसूस नहीं करते और लिव इन रिलेशनशिप आधुनिक संस्कृति की ही एक शैली है। आजकल के युवा लिव इन रिलेशनशिप को वैवाहिक जीवन से बेहतर मानने लगे हैं। आज की पीढ़ी शादी और लिव इन रिलेशनशिप को एक जैसा ही मानती है। इनका मानना है कि शादी में समाज और कानून का हस्तक्षेप होता है किन्तु लिव इन रिलेशनशिप में ऐसा कुछ भी नहीं होता है। बल्कि पूरी आजादी होती है। लेकिन शादी और लिव इन रिलेशनशिप में अंतर है। ये प्रथा जितनी आसान लगती है उतनी ही पेचीदा है। जितने इसके फायदे हैं उससे कहीं ज्यादा नुकध्सान हैं। इस तरह के सम्बंध प्रायः पश्चिमी देशों में बहुतायत में देखने मिलते हैं। वहाँ की लाइफस्टाइल भी कुछ इसी तरह की है। भारत में भी कुछ वर्षों से इस व्यवस्था को सपोर्ट मिला है। जिसके पीछे महानगरों में बसने वाले कुछ लोगों के बदलते सामाजिक विचार, विवाह की समस्या और धर्म से जुड़े मामलों का होना माना जा सकता है। समाज का एक वर्ग इसे भारतीय संस्कृति के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता है। तो वहीँ दूसरा वर्ग इसे आधुनिक परंपरा में बदलाव के रूप में देखते हुए स्वतन्त्र जीवन जीने के लिए वरदान मानता है।

हाल ही में अधिनियमित उत्तराखंड समान नागरिक संहिता (यूसीसी) ने लिव–इन पार्टनरशिप के लिए व्यापक विनियमों की एक शृंखला स्थापित की, जिसका लक्ष्य उन्हें विनियमित करना और उनकी कानूनी मान्यता की गारंटी देना है। लेकिन इनसे काफी चर्चा भी हुई है और सरकारी निगरानी तथा गोपनीयता को लेकर चिंताएँ भी पैदा हुई हैं। पिछले 20 वर्षों में, लिव–इन रिलेशनशिप–जिसमें जोड़े बिना शादी किए एक साथ रहते हैं–भारतीय समाज और कानून में अधिक स्वीकार्य हो गए हैं। लिव–इन पार्टनरशिप को अक्सर कलंकित माना जाता था तथा समाज द्वारा इसे नकारात्मक दृष्टि से देखा जाता था। हालाँकि, वैश्वीकरण के प्रभाव और पश्चिमी संस्कृति के संपर्क में आने के कारण अब लिव–इन रिलेशनशिप को अधिक स्वीकार्य माना जाने लगा है। जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का उपयोग करते हुए, भारतीय अदालतों ने कई फैसलों में लिव–इन रिश्तों को मान्यता दी है।

अष्टयोग-5086

4	3		5		1	2
	33		35	1	27	
6	1		7		5	
	26	2	40	7	34	
1		6			2	4
	29		33	4	30	
	4		2		6	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य है.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5085 का हल

7	4	5	2	3	6	1
5	35	3	27	1	28	7
6	1	4	7	2	5	3
3	26	2	40	7	34	6
1	3	6	7	5	2	4
2	27	1	41	4	29	5
4	3	7	5	6	1	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

अपना ब्लॉग

उत्तराधिकार के अधिकार

मोहन। कानूनी विवाद उन लोगों से उत्पन्न हो सकते हैं जो लंबे समय तक ऐसे रिश्तों के प्रति प्रतिबद्ध हुए बिना उनमें प्रवेश करते हैं, लेकिन बाद में अपने कानूनी अधिकारों का दावा करते हैं। विशेषकर रूढ़िवादी समुदायों में, यह सहवास के नैतिक परिणामों तथा विवाह और परिवार के पारंपरिक विचारों पर प्रश्न उठाता है। लिव–इन रिलेशनशिप के मुश्किल से 10 प्रतिशत मामले ही शादी तक पहुँच पाते हैं। बाकी 90: मामलों में रिश्ते टूट ही जाते हैं। ठीक उसी तरह, जिस तरह आजकल के नवयुवक प्रेमी–प्रेमिकाएँ जितनी तेजी से प्रोपोज करते हैं उतनी ही तेजी से ब्रेकअप और फिर उतनी ही तेजी से प्रेमी भी बदल लेते हैं। ऐसे प्रेमी–प्रेमिकाओं को लिव–इन रिलेशनशिप जैसी लुभावनी प्रथा सही लगती है। क्योंकि उन्हें एक दूसरे के साथ बिना शादी के पति–पत्नी जैसा रहने का मौका मिल जाता है और पति–पत्नी जैसे रिश्ते का अर्थ आप अच्छी तरह समझते हैं। इसीलिए रिश्ता टूटने के बाद सबसे ज्यादा जीवन बर्बाद लड़कियों का होता है। विशेषकर विवाह के समान भरण–पोषण और उत्तराधिकार के अधिकार प्रदान करना। सहवास में जन्मे बच्चों की कानूनी स्थिति को स्पष्ट करना, विशेष रूप से वैधता और उत्तराधिकार अधिकारों के सम्बंध में।

रोहित को हुआ नुकसान

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को 2 स्थान का नुकसान हुआ है और वह 5वें नंबर पर आ गए हैं। हिटमैन की रेटिंग 745 है। टॉप 10 के अन्य बैटर की बात करें तो आयरलैंड के हैरी टेक्टर छठे, न्यूजीलैंड के डेरेल मिचेल 7वें, श्रेयस अय्यर 8वें, चरिथ असलंका 9वें और अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान 10वें नंबर पर हैं। टॉप–10 में 4 भारतीय बल्लेबाज हैं।

सेमीफाइनल में शानदार बैटिंग का विराट कोहली को मिला इनाम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के पहले सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराया। भारत की जीत के हीरो विराट कोहली रहे। मुकाबले में विराट ने 84 रन की पारी खेली। हालांकि, वह शतक से चूक गए। विराट को अब इस मैच विनिंग पारी का इनाम मिला है। आईसीसी ने फाइनल से पहले कोहली को खास तोहफा दिया है। विराट कोहली ने आईसीसी की ताजा वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में छलांग लगाई है। कोहली को अब 1 स्थान का फायदा हो गया है और वह चौथे स्थान पर आ गए हैं। इस लिस्ट में शुभमन गिल अभी भी टॉप पर बने हुए हैं। गिल की रेटिंग अब 791 है। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम अभी भी दूसरे नंबर पर हैं। बाबर की रेटिंग 770 है। साउथ अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन (760) को भी 1 स्थान का फायदा हुआ है और वह तीसरे नंबर पर आ गए हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में शानदार बल्लेबाजी करने वाले विराट कोहली अब चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। कोहली अभी तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 4 मैच की 4 पारियों में 72.33 की औसत और 83.14 की स्ट्राइक रेट से 217 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विराट ने 98 गेंदों पर 84 रन जड़ दिए थे।

भारत के खिलाफ हार के बाद स्टीव स्मिथ ने अचानक लिया संन्यास

क्रिकेट

अचानक संन्यास लेने के बाद ऑस्ट्रेलियाई खेमे में मची खलबली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान स्टीव स्मिथ ने वनडे क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया। भारतीय टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से धूल चटाई। इस मैच में मिली हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम को एक और बड़ा झटका स्टीव स्मिथ ने दिया। स्टीव स्मिथ ने वनडे से संन्यास ले लिया। हालांकि, वह टेस्ट और टी20 में खेलते हुए नजर आएंगे।

स्टीव स्मिथ ने कहा कि यह शानदार सफर रहा और मैंने हर एक मिनट का आनंद लिया। बहुत सारे अद्भुत समय और अद्भुत यादें रही हैं। दो विश्व कप जीतना एक बड़ा आकर्षण था। साथ ही कई शानदार टीम–साथियों ने भी इस जर्नी को शेयर किया।

दरअसल, ऑस्ट्रेलियाई टीम के

स्टार बैटर स्टीव स्मिथ ने भारत के खिलाफ मिली हार के बाद वनडे क्रिकेट को अलविदा कह दिया। दुबई में भारत के खिलाफ खेले गए चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल मैच में स्टीव स्मिथ ने 73 रन की पारी खेली थी। उनके अलावा एलेक्स कैरी के बल्ले से 61 रन निकले और कंगारू टीम 49.3 ओवर में 264 रन बनाकर सिमट गई। इसके जवाब में टीम इंडिया ने 48.1 ओवर में लक्ष्य हासिल किया और 4 विकेट से जीत हासिल कर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में एंट्री की।

मैच में मिली हार के बाद स्टीव स्मिथ ने वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 35 साल के स्टीव ने वनडे में कुल 170 मैच खेले और 5800 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 43 का रहा, जिसमें 12 शतक और 35 हाफ सेंचुरी ठोकी। उन्होंने वनडे करियर में ऑस्ट्रेलिया के लिए 12वें सर्वाधिक रन स्कोरर के रूप में फिनिश किया। साल 2016 में स्टीव ने अपने करियर का सबसे बड़ा स्कोर (164 रन) न्यूजीलैंड के खिलाफ बनाया था। उन्होंने जब डेब्यू किया था तो लेग स्पिनिंग ऑलराउंडर के तौर पर किया था और उन्होंने वनडे में 28 विकेट झटके और कुल 90 कैच लिए।

स्टीव स्मिथ ने वनडे क्रिकेट से रिटायरमेंट का एलान कर दिया है। अब वह टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल मैच ही खेलते हुए नजर आएंगे। स्टीव ने वनडे को अलविदा कहने के बाद कहा कि ये सफर शानदार रहा और उन्होंने हर मिनट का आनंद लिया। यहां बहुत सारे अद्भुत समय और अद्भुत यादें हैं।

जो एमएस धौनी नहीं कर पाए वो कर गए रोहित शर्मा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने मंगलवार को चैंपियंस ट्रॉफी–2025 के पहले सेमीफाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हरा दिया। इसी के साथ भारत ने लगातार तीसरी बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई है। भारत के लिए इस मैच में विराट कोहली ने शानदार पारी खेली। उनकी इस पारी ने रिकॉर्ड बुक में उनका नाम लिखवा दिया। सिर्फ कोहली ही नहीं बल्कि टीम इंडिया और कप्तान रोहित ने भी इस मैच के बाद कई रिकॉर्ड बनाए।

इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी की और 49.3 ओवरों में 264 रन बनाए। भारत ने ये टारगेट 48.1 ओवरों में छह विकेट खोकर हासिल कर लिया। कोहली ने 98 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से 84

- रोहित शर्मा ने कप्तानी में बनाया महारिकॉर्ड

रनों की पारी खेली। उनकी ये पारी भारत के लिए मैच विजयी पारी साबित हुई।

इस जीत के बाद रोहित शर्मा दुनिया के पहले ऐसे कप्तान बन गए हैं जिसने आईसीसी के चारों बड़े इवेंट्स के फाइनल में जगह बनाई है। रोहित के रहते भारत ने आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप–2023 के फाइनल में जगह बनाई थी। इसके बाद वनडे वर्ल्ड कप–2023 और टी20 वर्ल्ड कप–2024 में भी भारत फाइनल में पहुंचा था। 2023 में भारत को हार मिली थी और ये जख्म उसे ऑस्ट्रेलिया ने ही दिया था। वहीं 2024 में भारत ने साउथ अफ्रीका को हरा दिया था।

टीम इंडिया की ये दुबई में लगातार नौवीं जीत है। पिछले 10 मैचों से भारत इस मैदान पर कोई भी मैच नहीं हारा है। नौ में उसे जीत मिली है तो वहीं एक मैच टाई रहा है। किसी एक मैदान पर लगातार मैच जीतने के मामले में भारत दूसरे नंबर पर है। उससे पहले न्यूजीलैंड है जिसने डुनेडिन में लगातार 10 मैच जीते हैं।

ये भारत की आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के नॉकआउट मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरी जीत है। 1998 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को क्वार्टर फाइनल में मात दी थी। 2000 में ऑस्ट्रेलिया क्वार्टर फाइनल में भारत से हारा था। अब ये तीसरी बार भी भारत बाजी मारने में सफल रहा है। इसके अलावा भारत ने जो टारगेट चेज किया है वो आईसीसी वनडे नॉकआउट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चेज किया सबसे बड़ा टारगेट भी है।

बुमराह के बिना अकेले पड़े मोहम्मद शमी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। मोहम्मद शमी ने स्वीकार किया कि भारत के अकेले प्रमुख तेज गेंदबाज होने के नाते उन पर काफी जिम्मेदारी है लेकिन वह अपनी लय हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि चैंपियंस ट्रॉफी में टीम की जरूरतों पर खरे उतर सकें। चोट से उबरकर वापसी करने वाले शमी ने चोटिल जसप्रीत बुमराह की गैर मौजूदगी में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान हर्षित राणा या हार्दिक पंड्या के साथ नई गेंद संभाली। हर्षित राणा अभी नए हैं और पंड्या ऑलराउंडर हैं जो आमतौर पर वनडे मैच में दस ओवर नहीं डालते। शमी ने अभी तक टूर्नामेंट में आठ विकेट लिए हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया पर सेमीफाइनल में 4 विकेट से मिली जीत के बाद मिश्रित जोन में कहा, 'मैं अपनी लय फिर हासिल करके टीम के लिए ज्यादा योगदान देने की कोशिश कर रहा हूं।

न्यूज डायरी

5 खिलाड़ी भी चैंपियंस ट्रॉफी के बाद छोड़ सकते हैं वनडे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की टीम चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में हारकर बाहर हो गई। मैच के एक दिन बाद टीम के कप्तान स्टीव स्मिथ ने वनडे से संन्यास ले लिया। अब वनडे का प्रमुख टूर्नामेंट दो साल बाद है। वनडे क्रिकेट वैसे भी पहले के तुलना में काफी कम खेले जाते हैं। इस स्थिति में कई और खिलाड़ी चैंपियंस ट्रॉफी के खत्म होने के बाद इस फॉर्मेट से संन्यास ले सकते हैं। हम आपको ऐसे ही 5 नाम बताने जा रहे हैं। साउथ अफ्रीका का रासी वान डेर डुसेन का वनडे में रिकॉर्ड दमदार है। 70 मुकाबलों में उन्होंने करीब 50 की औसत से रन बनाए हैं। डुसेन 36 साल के हो चुके हैं। उन्होंने हाल में ही हिंट दिया था कि यह उनका आखिरी आईसीसी इवेंट हो सकता है। बांग्लादेश टीम के दिग्गज खिलाड़ियों में महमुदुल्लाह का नाम शामिल है। वह टी20 इंटरनेशनल के साथ ही टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं। विराट का वनडे में रिकॉर्ड दमदार है लेकिन अगर भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी जीत जाती है तो वह भी वनडे को छोड़ने का ऐलान कर सकते हैं। 38 साल के रोहित शर्मा अपने करियर के अंतिम दौर में चल रहे हैं। वह टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं। टेस्ट में भी उनका फॉर्म साथ नहीं था। भारतीय टीम चैंपियस ट्रॉफी को अपने नाम करती है तो रोहित शायद इंटरनेशनल क्रिकेट को ही अलविदा कह दें। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने अभी तक वनडे छोड़ने पर कोई बात नहीं कही है। लेकिन टेस्ट क्रिकेट पर फोकस करने के लिए वह वनडे छोड़ सकते हैं।

शमा मोहम्मद को रोहित शर्मा की कप्तानी की तारीफ भी पड़ी भारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। रोहित शर्मा की फिटनेस पर सवाल उठाने वाली कांग्रेस की महिला लीडर शमा मोहम्मद ने अब उनकी कप्तानी की तारीफ की है। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया पर टीम इंडिया की जीत के बाद शमा मोहम्मद ने खुशी जाहिर की है। इसके साथ ही उन्होंने रोहित शर्मा की कप्तानी की तारीफ के साथ–साथ विराट कोहली की दमदार 84 रनों की पारी को भी सराहा है।

सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया पर मिली जीत के बाद शमा मोहम्मद ने कहा, मुझे खुशी है कि टीम इंडिया ने रोहित शर्मा की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में हराया है। मैं विराट कोहली को 84 रन बनाने के लिए भी बधाई देती हूं। मैं बहुत उत्साहित हूं और फाइनल का इंतजार कर रही हूं।' टीम इंडिया और रोहित शर्मा की इस तारीफ के बावजूद शमा मोहम्मद की सोशल मीडिया पर जमकर आलोचना हो रही है। सेमीफाइनल में टीम इंडिया की जीत के बाद शमा मोहम्मद ने बेशक रोहित शर्मा की तारीफ की है, लेकिन फैंस उनसे माफी की मांग कर रहे हैं। फैंस चाहते हैं कि शमा ने रोहित शर्मा पर जो विवादित टिप्पणी की थी, उसके लिए वह उनसे माफी मांगे। शमा मोहम्मद के बयान पर एक यूजर ने कहा, पर वो सब तो ठीक है, अभी तक रोहित को जो बोली थी उसके लिए माफी क्यों नहीं मांगी है, उसपे बिना माफी मांगे हम सभी तुम्हें छोड़ेंगे नहीं।

योगराज सिंह ने शमा मोहम्मद को जमकर फटकार लगाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के पहले सेमीफाइनल मैच में 4 विकेट से हरा दिया। टीम इंडिया ने तगड़ी फील्डिंग के दम पर ऑस्ट्रेलियाई टीम को सिर्फ 264 रन पर रोक दिया। इस टारगेट को चेज करने में टीम इंडिया को सिर्फ 48.1 ओवर लगे। भारतीय टीम मैनेजमेंट हर मैच के बाद बेस्ट फील्डर का मेडल देता है। इस मैच में कई खिलाड़ियों ने तगड़ी फील्डिंग की थी, लेकिन मेडल सिर्फ एक खिलाड़ी को ही मिला। इस मेडल को देने के लिए फील्डिंग कोच टी दिलीप ने रवि शास्त्री को ड्रेसिंग रूम में बुलाया था। शास्त्री के साथ टीम इंडिया के कई खिलाड़ी मजाक मस्ती करते हुए भी नजर आए। विराट कोहली, कप्तान रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या बेकाबू होकर हंसने लगे। शास्त्री ने आखिरकार 48वें ओवर में एलेक्स कैरी को रन आउट करने के लिए अय्यर को हैवीवेट मेडल दिया। रवि शास्त्री भारतीय ड्रेसिंग रूम में वापस लौटे और परंपरागत फील्डर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया। भारत के फील्डिंग कोच टी दिलीप ने चार दावेदारों का नाम चुना। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार फील्डिंग के चलते इस मेडल के लिए श्रेयस अय्यर, शुभमन गिल, रविंद्र जडेजा और विराट कोहली को नॉमिनेट किया गया।

परमार्थ निकेतन में 9 से 15 मार्च अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव का आयोजन।

हमारा दून

संक्षिप्त समाचार

पीएसीएल निवेशकों ने मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

संवाददाता देहरादून। पीएसीएल में निवेश करने वाले लोगों ने बुधवार को अपनी मांगों को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में पद्रर्शन किया। सभी ने निवेश की गई धनराशि वापस करवाने की मांग उठाई। मांगों को लेकर प्रदर्शन करने पहुंचे लोगों ने जिलाधिकारी के माध्यम से सेवी अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा। इसके माध्यम से उन्होंने बताया कि ऑल इन्वेस्टर सेफ्टी ऑर्गनाइजेशन पीएसीएल के निवेशकों द्वारा गठित राष्ट्रीय पंजीकृत संगठन है। जो पीएसीएल कंपनी में निवेश की गई अपनी जमा पूंजी वापस पाने के लिए विगत 2015 से निरंतर संघर्षरत है। ऑर्गनाइजेशन के प्रदेश अध्यक्ष आरएस बिष्ट ने कहा कि यदि मांगें पूरी नहीं हुई तो आगे भी आंदोलन जारी रहेगा।

ओवरस्पीडिंग पर 80 वाहनों के चालान

संवाददाता देहरादून। संभागीय परिवहन विभाग ने बुधवार को ओवरस्पीड वाहनों के खिलाफ विशेष चेकिंग अभियान चलाया। विभाग की टीमों ने 80 वाहनों के चालान किए हैं। जिन वाहनों के चालान किए उनमें एक वाहन 140 तो एक 127 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से दौड़ रहा था। जिस स्थान पर चालान किए गए हैं, वहां स्पीड लिमिट 80 किमी प्रतिघंटा तय है। आरटीओ (प्रवर्तन) शैलेश तिवारी ने बताया कि ओवरस्पीड की वजह से हादसे हो रहे हैं। ओवरस्पीड पर लगातार चालान किए जा रहे हैं, बावजूद वाहनों की रफ्तार नहीं थम रही है।

इंजीनियरों को एसीपी का लाभ देने की मांग

संवाददाता देहरादून। जल निगम डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ ने मुख्य अभियंता मुख्यालय संजय सिंह को बुधवार को ज्ञापन सौंपा। 2013 बैच के इंजीनियरों को एसीपी का लाभ देने की मांग की। डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ महासचिव अजय बेलवाल ने कहा कि एसीपी और स्थायीकरण से वंचित अभियन्यताओं को तत्काल लाभ सुनिश्चित किया जाए। 2013 बैच में एसीपी और स्थायीकरण से वंचित समस्त सदस्यों को एसीपी जारी की जाए। 2022 तक सभी नवनियुक्त अभियंताओं के स्थाईकरण आदेश जारी किए जाएं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिटर्स,74/9,आराघर,देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून
ही मान्य होगा।

उत्तराखण्ड आने से पहले प्रधानमंत्री ने राज्य को दी दो बड़ी सौगात

सौगात

■ केदारनाथ और हेमकुंड रोपवे के लिए केंद्रीय कैबिनेट द्वारा मंजूरी दिए जाने पर सीएम ने व्यक्त किया पीएम का आभार

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोनप्रयाग से केदारनाथ और गोविन्दघाट से हेमकुंड साहिब के लिए रोपवे विकास के लिए केन्द्रीय मंत्रीमंडल द्वारा मंजूरी दिये जाने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड आने से पहले प्रधानमंत्री ने राज्य को दो बड़ी सौगात दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केदारनाथ और हेमकुंड साहिब के लिए रोपवे का विकास होने से श्रद्धालुओं को दर्शन में काफी सुगमता होगी। मुख्यमंत्री ने अपने दिल्ली दौरे के दौरान प्रधानमंत्री से इन दोनों रोपवे के निर्माण के लिए अनुरोध किया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का देवभूमि उत्तराखण्ड से विशेष लगाव है। उनके मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड हर क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शामिल हो रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में

केन्द्र सरकार का हर क्षेत्र में राज्य को सहयोग मिल रहा है। श्री केदारनाथ का पुनर्निमाण, श्री बदरीनाथ के मास्टर प्लान के कार्य तेजी से हुए हैं। उनके आने के बाद राज्य में शीतकालीन यात्रा में भी श्रद्धालुओं की संख्या में तेजी से वृद्धि होगी।

केन्द्रीय कैबिनेट ने राष्ट्रीय रोपवे विकास कार्यक्रम के तहत पर्वतमाला परियोजना के अन्तर्गत उत्तराखंड में सोनप्रयाग से केदारनाथ (12.9 किमी) तक रोपवे को दी मंजूरी।

केन्द्रीय कैबिनेट ने राष्ट्रीय रोपवे विकास कार्यक्रम के तहत पर्वतमाला परियोजना के अन्तर्गत उत्तराखंड में सोनप्रयाग से केदारनाथ (12.9 किमी) तक रोपवे को मंजूरी दी है। परियोजना का डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और स्थानांतरण (डीबीएफओटी) मोड पर 4,081.28 करोड़ रुपये की कुल पूंजी लागत पर विकसित किया जाएगा। रोपवे को सार्वजनिक–निजी भागीदारी में विकसित करने की योजना है और यह सबसे उन्नत ट्राई–केबल डिटेचेबल गोंडोला (3एस) तकनीक पर आधारित होगा। इसकी डिजाइन क्षमता 1,800 यात्री प्रति घंटे प्रति (पीपीएचपीडी) होगी, जो प्रतिदिन 18 हजार यात्रियों को ले जाएगी।

यह रोपवे परियोजना केदारनाथ आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए वरदान होगी क्योंकि यह पर्यावरण–अनुकूल, आरामदायक और तेज कनेक्टिविटी प्रदान करेगी और एक दिशा में यात्रा का समय लगभग 8 से 9 घंटे से घटकर लगभग 36 मिनट कर देगी। रोपवे परियोजना निर्माण और संचालन के साथ–साथ आतिथ्य, यात्रा, खाद्य और पेय पदार्थ (एफ एंड बी) और पर्यटन जैसे संबद्ध पर्यटन उद्योगों में पूरे वर्ष रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराएगी। रोपवे परियोजना का विकास संतुलित सामाजिक–आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, पहाड़ी क्षेत्रों में लास्ट मील कनेक्टिविटी को बढ़ाने और तेजी से आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

केन्द्रीय कैबिनेट ने राष्ट्रीय रोपवे विकास कार्यक्रम–पर्वतमाला परियोजना के तहत उत्तराखंड राज्य में गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब जी (12.4 किमी) तक रोपवे परियोजना के विकास को भी दी मंजूरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की सीसीईए ने गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब जी तक 12.4 किलोमीटर रोपवे परियोजना के निर्माण को भी मंजूरी दी है। वर्तमान में हेमकुंड साहिब जी की यात्रा गोविंदघाट से 21 किलोमीटर की चुनौतीपूर्ण चढ़ाई है और इसे पैदल, घोड़ा–खच्चर, पालकी से किया जाता है।

गौरीकुंड से 16 किमी की चुनौतीपूर्ण चढ़ाई

वर्तमान में केदारनाथ मंदिर तक की यात्रा गौरीकुंड से 16 किमी की चुनौतीपूर्ण चढ़ाई है और इसे पैदल, घोड़ा–खच्चर, पालकी और हेलीकॉप्टर से किया जाता है। प्रस्तावित रोपवे की योजना मंदिर में आने वाले तीर्थयात्रियों को सुविधा प्रदान करने और सोनप्रयाग तथा केदारनाथ के बीच हर मौसम में कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है। केदारनाथ 12 पवित्र ज्योतिर्लिंगों में से एक है जो उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में 3,583 मीटर (11968 फीट) की ऊंचाई पर स्थित है।

विधानसभा क्षेत्र में महिलाओं की स्थिति में हुआ काफी सुधार

आयोजन

■नाबार्ड उत्तराखण्ड क्षेत्रीय कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), उत्तराखण्ड क्षेत्रीय कार्यालय, देहरादून द्वारा बुधवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती ऋतु खण्डूडी भूषण, अध्यक्ष, उत्तराखंड विधानसभा उपस्थित रहीं।

विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खण्डूडी भूषण ने अपनी पृष्ठभूमि के बारे में बताया की उनके परिवार में पूर्व में महिलाओं का प्रभुत्व रहा है

जिसके कारण उन्हें भी प्रेरणा मिली और उनकी वर्तमान उपलब्धियों में उनके परिवार की महिलाओं से मिले समर्थन का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनके पद ग्रहण करने के पश्चात उनके विधानसभा क्षेत्र में महिलाओं की स्थिति में काफी सुधार हुआ है एवं महत्वपूर्ण पदों पर महिलाओं की संख्या बड़ी है, एवं उत्तराखण्ड में भी समय के साथ महिलाओं का विकास हो रहा है।

श्रीमती खण्डूडी ने बताया की महिलाओं का आर्थिक विकास सुनिश्चित किए बिना उनका समग्र विकास नहीं हो सकता एवं इस क्षेत्र में नाबार्ड की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी नाबार्ड को महिलाओं के हित में निरंतर प्रयासरत रहने एवं विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं का सम्पूर्ण विकास सुनिश्चित करने में प्रयासरत रहना चाहिए।

कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष ने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्रों में विभिन्न उपलब्धियाँ प्राप्त करने वाली एवं दूसरी महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनकर उभरने वाली महिलाओं को सम्मानित किया। उन्होंने नाबार्ड द्वारा वित्तपोषित महिला स्वयं सहायता समूहों एवं उत्पादक संगठनों के उत्पादों की प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया। उन्होंने महिलाओं के साथ वार्तालाप कर उत्पादों की जानकारी ली और महिलाओं का उत्साहवर्धन किया।

मुख्यमंत्री के संकल्प, जिलाधिकारी के कमिटमेंट

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड सरकार के त्यूनी भ्रमण कार्यक्रम से जनपद के दुरस्त क्षेत्र त्यूनी को कई सौगात मिल गई है। जिलाधिकारी सविन बसंल ने मुख्यमंत्री के दुरस्थ क्षेत्रों में निवेश तथा अंतिम व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ दिए जाने के संकल्प फलीभूत करने तथा जनमानस से किए कमिटमेंट को बरकार रखते हुए त्यूनी में चिकित्सालय, बालिका छात्रावास के निरीक्षण के दौरान तथा प0 शिवराम महाविद्यालय में व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में सामने आई कमियों के निराकरण के लिए एक सप्ताह के भीतर ही 77.30 लाख की धनराशि जारी कर दी है।

डीएम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र त्यूनी के निरीक्षण के एक्स–रे मशीन, अल्ट्रासांउड मशीन, रूम हीटर, इलैक्ट्रिक कैटल, पिल्लो, थ्री सीटर चेयर, आउटसोर्स के माध्यक से एक वार्ड आया एवं स्वच्छक की तैनाती के लिए स्वीकृति के साथ ही 54.45 लाख फंड जारी किया है, चिकित्सालय में सुविधा बढने से जनमानस को सुगम सुविधाएं मिलेगी।

युवाओं को सेना के लिए किया जाएगा तैयार

संवाददाता देहरादून। रणभूमि डिफेंस ट्रेनिंग एकेडमी और यूथ रॉक्स फाउंडेशन की ओर से बुधवार को सुद्धोंवाला में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता उत्तराखंडः मेरी कर्मभूमि का शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता के जरिए प्रदेश भर से चयनित युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर सेना में जाने के लिए तैयार किया जाएगा। एकेडमी के संस्थापक कर्नल(सेनि.) प्रनीत डंगवाल ओर यूथ रॉक्स फाउंडेशन की संस्थापक डा. दिव्या नेगी ने बताया कि हमारा लक्ष्य उत्तराखंड के दूर दराज एवं सुदूर पर्वतीय क्षेत्रों के युवाओं को मुख्य धारा से जोड़ना है।